

## वालॉग युद्ध की 62वीं वर्षगाँठ

स्रोत: द हट्टि

भारतीय सेना चीन के साथ वर्ष 1962 के युद्ध के दौरान हुआ वालॉग युद्ध की 62वीं वर्षगाँठ मनाने के लिये एक महीने तक कार्यक्रमों की एक शृंखला आयोजित करेगी।

- इस युद्ध में भारतीय सैनिकों ने, अपनी कम जनसंख्या और संसाधनों की कमी के बावजूद, कबिथू, वालॉग और नामती ट्राई-जंक्शन (टाइगरस माउथ) के चुनौतीपूर्ण इलाकों में आगे बढ़ रही चीनी सेना को 27 दिनों तक सफलतापूर्वक रोके रखा।
- कुमाऊँ, सखि, गोरखा और डोगरा रेजिमेंटों के साथ 11 इन्फैंट्री ब्रिगेड ने चीनी सेना के वरिद्ध वालॉग क्षेत्र की रक्षा में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई।
- यह युद्ध 3,000 से 14,000 फीट की ऊँचाई पर हुआ था, लेकिन 62 वर्षों के बाद, बेहतर बुनियादी ढाँचे और सेना की बढ़ी हुई शक्ति ने स्थिति बदल दी है।
- इस वर्ष के स्मरणोत्सव में कई साहसिक और सामुदायिक गतिविधियाँ शामिल होंगी हैं, इस दौरान व्हाइट वाटर राफ्टिंग, मोटरसाइकिल रैलियाँ, साइकिल रैलियाँ, युद्धक्षेत्र ट्रेकिंग, एडवेंचर ट्रेकिंग और हाफ मैराथन जैसे कार्यक्रम आयोजित किये जाएंगे।
  - लामा स्पर में नव पुनर्निर्मित वालॉग युद्ध स्मारक और शौर्य स्थल का उद्घाटन किया जाएगा।
  - 14 नवंबर को वालॉग दिस पर पुष्पांजलि समारोह, युद्ध वर्णन और मशिमी तथा मेयर नर्तकों द्वारा पारंपरिक प्रदर्शन किया जाता है।

और पढ़ें: [भारत-चीन संघर्ष](#)